Govt.of MadhyaPradesh
मध्य प्रदेश शासन

Office of the Field Director
Panna Tiger Reserve
Panna, Madhya Pradesh, (India)
Phone No. +917732-252135 (O) **Fax,** +917732-252120
E-mail: fdptr@rediffmail.com **Website:** www.pannatigerreserve.in

Panna Tiger Reserve
पन्ना टाईगर रिजर्व

प्रेस नोट

बाघ शावक पन्ना–124

पन्ना 124, पन्ना बाघ पुर्नस्थापना योजना के अन्तर्गत बांधवगढ़ से लाई गई टी–1 के दूसरे लिटर का चौथा अनाथ शावक है। टी–1 के द्वारा दूसरी बार 4 शावकों को माह फरवरी के मध्य में जन्म दिया था। टी–1 के द्वारा जब इन शावकों को पहली गुफा से दूसरी गुफा की ओर ले जाते समय इस शावक को पहली गुफा पर ही छोड़ दिया गया था। हलांकि वे दूसरी बार इस गुफा पर आकर दिन भर वहां पर रुकी थी, परन्तु फिर भी इस शावक को अपने साथ नहीं ले गई। इस प्रकार यह शावक अनाथ हो गया। लगातार किये गये अनुश्रवण अभिलेखों के आधार पर इस शावक को गुफा में दूध एवं पानी देने की कोशिश की गई, परन्तु गुफा में शावक की स्थिति गम्भीर होती गई। भोपाल में वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार चर्चायें होती रहीं एवं दिनांक 12.4.2012 को इस शावका का रेस्क्यू किया जाकर हिनौता स्थित क्षेत्र संचालक कैम्प हट में इसके पालन–पोषण की कार्यवाही की गई। दिनांक 16.4.2012 को यह शावक क्रिटिकल स्थिति से गुजरा, परन्तु डाक्टर की सूझ–बूझ से इसे बचा लिया गया। जब शावक को गुफा से उठाया गया था उस समय इसका वजन 3.8 कि.ग्रा. था एवं काफी कमजोर था। इसको शुरुआत में दूध बाद में मीट जल्ली, पका हुआ चिकन का कीमा, तत्पश्चात चिकन एवं बकरे को भोजन के रूप में दिया गया। आज की स्थिति में इस वजन 41 कि.ग्रा. है। गुफा से निकालते समय इसकी आयु 8 सप्ताह की थी जो अब 06 माह का हो चुका है।

इस नर बाघ शावक को भविष्य में दोबारा जंगली बनाने हेतु एक याजना बना कर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण नई दिल्ली को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) के माध्यम से भेजी गई जिसकी आवश्यक स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। टी–4 एवं टी–5 की सफल पुर्नस्थापना से किसी अनाथ बाघ को दोबारा जंगली बनाने का प्रयोग पन्ना में सफल साबित हुआ है। आज तक दुनिया में किसी भी बाघ को दोबारा जंगली बनाने का कार्यक्रम सम्पन्न नहीं हुआ था। बाघों की संख्या में आ रही कमी को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के प्रयोग करने की भी आवश्यकता है। अनाथ बाघों के पालन–पोषण की पूरी व्यवस्था एवं दक्षता कान्हा टाईगर रिजर्व के पास पूर्व से ही उपलब्ध है, इस बात को ध्यान में रखते हुए इस बाघ शावक को दिनांक 01.09.2012 को कान्हा टाईगर रिजर्व स्थानान्तरित किया जा रहा है। खुशी की बात है कि बाघ पुर्नस्थापना योजना के तहत अलग–अलग टाईगर रिजर्वों से 05 बाघ/बाघिनों को यहां पर पुर्नस्थापित किया गया था। पन्ना–124 को दूसरे पार्क को एक निश्चित कार्यक्रम के लिए वापस करते हुए पन्ना पार्क प्रबन्धन अपने आपको गौरान्वित महसूस कर रहा है। इस बाघ शावक की सही देखभाल करने में डा0 संजीगुप्ता, वन्य प्राणी चिकित्सक, श्री उदय मणि सिंह परिहार वन रक्षक, वन्य प्राणी चिकित्सक के सहायक श्री तपसील एवं श्रमिक श्री बाबू लाल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

'' जय हिन्द, जय भारत ''

दिनांक – 31.08.2012

क्षेत्र संचालक
पन्ना टाईगर रिजर्व, पन्ना